गलत दिशा से आई निजी बस ने एसयूवी को टक्कर मारी, एक की मौत, 36 घायल

कार सवार परिवार जीण माता दर्शन करने जा रहा था, ओसियां से रवाना होते ही हादसा हुआ

- हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गये और एक की मौत हो गई
- हादसे के बाद निजी बस भी पलटी खा गई और बस में सवार 31 लोग घायल हो गए

जोधपुर, (कासं)। जिले के ओसियां पुलिस थाना क्षेत्र में चाड़ी गांव के समीप सोमवार की सुबह चाड़ी गांव से जोधपुर की तरफ आ रही एक एसयूवी कार को सामने से आई निजी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए और एक की मौत हो गई। इधर हादसे के बाद बस भी पलटी खा गई और उसमें सवार 31 लोग घायल हो गए। जिनमें 12 लोगों को जोधपुर रैफर किया गया है। कार में सवार सभी छह लोगों को जोधपुर भेजा गया है। मृतक भीनमाल का है और व्यापारी बताया जाता है। साथ में पत्नी और बेटे भी थे। सूचना के बाद पुलिस मौका स्थल पर पहुंची। कार में सवार मृतक बुरी तरफ फंस गया था, जिसे बाद में बमुश्किल बाहर निकाला गया।

ओसियां थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे के आसपास चाड़ी गांव के समीप में सड़क दुर्घटना की जानकारी मिली। चाड़ी की तरफ आ रही एक ग्रामीण रूट की निजी बस और एसयूवी-700 में यह टक्कर हुई थी। प्रथम दृष्टया पता लगा कि बस चालक ने गलत दिशा में जाकर कार को टक्कर मारी है। हादसे में कार में सवार भीनमाल जालोर निवासी भंवरजी पुत्र प्रताप माली की मौत हो गई। कार चालक दिलीप कुमार, अरविंद, विजय, उषा माली, संतोष माली एवं महेंद्र बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया है। इस हादसे के बाद बस पलटी खा गई और उसमें सवार 31 लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए ओसियां और जोधपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। छह लोगों को जोधपुर रैफर किया गया है। हादसे में जाखण निवासी सुल्तान, पूनासर ओसियां निवासी नरसिंगराम, ओमपुरा निवासी पेमाराम जाट, चाड़ी के ओमप्रकाश विश्नोई, खिंदाकोर के पप्पूराम, बापिणी के दिनेश, ज्योति मेघवाल, पूनासर की यशु कंवर, कंवरजी की खेजड़ी निवासी पूजा पुत्री भागीरथराम, चाड़ी के किशनाराम, थारा के संजय, कपूरिया निवासी नैनसिंह, पूनासर निवासी भोजाराम, रिमडमलसर निवासी गंगाराम, जाखण के सत्ताराम, ओमपुरा निवासी पूनाराम, बिरसालु निवासी माधाराम, कड़वा के दीपसिंह, चाड़ी के जगदीश, निंबों का तालाब निवासी रामेश्वर, पूनासर के गोमदराम, पंडितजी की ढाणी के दिलीपसिंह, बिरसालु निवासी हुकमाराम, धर्मेंद्र, जगदीश, भगवती, पंडितजी की ढाणी के जसराज सोनी, गणपतसिंह, जितेंद्र सिंह, बाबूराम, एवं पूनासर के चोलाराम पुत्र मांगूराम घायल हुए हैं। बस में सवार पूजा, किशनाराम, संजय, नैनसिंह, भोजाराम एवं गंगाराम को जोधपुर रैफर किया गया है।

कार चला रहे दिलीप सैन ने बताया कि वो भीनमाल से अल सुबह चार बजे निकले थे। आज सुबह ओसियां से नाश्ता करके निकले थे। थोड़ा आगे निकलते ही सामने मोड पर अचानक से बस रॉन्ग साइड में सामने आ गई। बस की स्पीड करीब 100 के आस-पास थी। मुझे कुछ सेकेंड भी संभलने का मौका नहीं मिला। हालांकि मैंने गाड़ी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन बस ने गलत दिशा में टक्कर मार दी। कार में सवार महिला ऊषा ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ भीनमाल से जीण माता दर्शन के लिए जा रहे थे। ओसियां से रवाना होते ही ये हादसा हो गया। हादसे की सूचना के बाद में कांग्रेस नेता करण सिंह उचियारड़ा अस्पताल पहुंचे तथा घायलों से मुलाकात की। उन्होंने सभी घायलों से मुलाकात की और उनसे हादसे को लेकर जानकारी ली।

किसान के फसल का बीमा उठाने से पहले ही ठगों ने क्लेम लिया

किसान ई-मित्र पर पहुंचा तो पता चला, 5 गांव के 11 किसानों से धोखाधड़ी

- किसान को यह भी मालूम नहीं चला कि उसकी फसल पर ठगों ने इंश्योरेंस भी करा रखा है
- एफआईआर के मुताबिक खोखराणा, लालेरा, खियेरां, भादवा, खिलेरिया में भी कई लोगों के साथ इसी तरह की धोखाधड़ी हुई

बीकानेर, (निसं)। यहां ठगों ने किसान के फसल का बीमा उठाने से पहले ही क्लेम ले लिया, यही नहीं किसान को यह भी मालूम नहीं चल पाया कि उसकी फसल पर ठगों ने इंश्योरेंस करवा रखा है। जब किसान ई-मित्र पर अपनी फसल का इंश्योरेंस कराने पहुंचा तो मामले का खुलासा हुआ। ई-मित्र संचालक ने बताया कि फसल का क्लेम तो पहले ही किसी और नाम से दिया जा चुका है। इसके बाद एक एक कर करीब 5 गांवों के 11 किसान सामने आए हैं, जिन्होंने थाने में अपनी शिकायत दी है।

लूणकरनसर के खोखराणा गांव के किसान बुधराम मेघवाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि इलाके में एक गिरोह बीमा क्लेम उठाने का काम कर रहा है। बुधराम की संयुक्त खातेदारी कृषि भूमि गांव खोखराणा में खसरा नंबर 430 में 6.8300 हेक्टेयर व खसरा नंबर 830 में 6.5800 हेक्टेयर है। दोनों खसरा में कुल 13.4000 हेक्टेयर जमीन है। इसमें उसका चौथाई हिस्सा है। शेष उसके तीन अन्य भाई मुखराम, श्रवण राम व मघाराम की है।

रिपोर्ट में बताया कि बुधराम ने जुलाई 2025 में खरीफ की फसल काश्त करने पर पी एमएफबी बाई योजना के तहत अपनी खरीफ की फसल का बीमा करवाने के लिए गांव (खोखरणा) में स्थित ई-मित्र केंद्र पर सम्पर्क किया था। बुधराम ने बताया कि मेरे होश उड़ गए जब ई-मित्र संचालक ने बताया कि मेरे खेत में खरीफ की फसल ग्वार के लिए किसी देवीलाल पुत्र श्रीराम निवासी लालेरा ने फसल बीमा के लिए आवेदन किया था। इसमें खसरा नंबर इन्हीं भाइयों के खेत के थे, इसमें पॉलिसी नंबर भी दिए गए थे। संचालक ने बताया कि दोनों खसरों की जमीन का बीमा पहले ही करवाया जा चुका है। ई-मित्र संचालक ने ये भी कहा कि देवीलाल नाम से रबी की फसल का बीमा भी उनके खाते से ही उठाया गया था। तब 45 हजार रुपए दी सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड बीकानेर की शाखा लूणकरणसर के माध्यम से देवीलाल ने ले लिए हैं।

बुधराम ने आरोप लगाया है कि देवीलाल ने राजस्व विभाग के कर्मचारियों और बैंक के कर्मचारियों से मिलीभगत कर कूटरचित दस्तावेजों पर उसके और उसके परिवारजनों के फर्जी हस्ताक्षर व अंगूठे लगा लिए। रबी 2024 की फसल सरसों व तारामीरा के बीमा क्लेम आवेदन अपने नाम से 45 हजार का भुगतान बैंक दी सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड लूणकरणसर से प्राप्त कर लिया।

एफआईआर में देवीलाल, भगवाना राम पुत्र खेताराम, बलराम पुत्र कालूराम जाट निवासी लालेरा और शिवलाल पुत्र मेहनराम जाति निवासी खियेरा के नाम लिखवाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, किसान को फसल बीमा के बारे में जानकारी ही नहीं होती और ये लोग फर्जी नाम से फसल का बीमा कटवाकर फर्जी भुगतान उठा रहे हैं। एफआईआर के मुताबिक खोखराणा, लालेरा, खियेरां, भादवा, खिलेरिया में भी कई लोगों के साथ इसी तरह की धोखाधड़ी हुई है।

बाड़मेर से कोटा आ रही निजी बस पलटी, एक दर्जन यात्री घायल

- आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर पलट गई
- बस में करीब 40-45 यात्री सवार थे, लोगों ने घायलों को बस से निकाला

दुर्घटना के बाद क्रेन बुलाकर सड़क से बस हटवाई।

कोटा, (निसं)। नांता थाना इलाके में सोमवार सुबह कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक के प्रयास में बाड़मेर से कोटा आ रही निजी बस तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गये। बस पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। उधर से गुजर रहे लोगों ने लहूलुहान यात्रियों को बस से निकाला और अस्पताल पहुंचाया। बस पलटने की सूचना पर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में घायलों से मिलने पहुंचे।

कोटा सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम, लाडपुरा एसडीएम गजेंद्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मनीष शर्मा आदि ने हादसे में घायल महिलाएं और बच्चों से जानकारी ली। एडीएम गजेंद्र सिंह ने उचित इलाज के लिए अस्पताल को निर्देश दिए।

नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवलकिशोर शर्मा ने बताया कि बाड़मेर से कोटा आ रही यात्रियों से भरी निजी बस खड़ीपुर के समीप ट्रेलर को ओवरटेक करने के दौरान ट्रेलर चालक द्वारा ब्रेक लगाने पर अनियंत्रित होकर पलट गई। थानाधिकारी ने बताया कि बस में करीब 40-45 यात्री सवार थे, बस पलटने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। हादसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गए जिसमें महिलाएं और बच्चे भी हैं। थानाधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद क्रेन बुलाकर सड़क से बस हटाई और रास्ता क्लियर कराया गया। थानाधिकारी ने बताया कि बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है एवं बस को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया, मामले की जांच की जा रही है। हादसे में घायलो में कुणाल, हिमांशु, सीमा गौस्वामी, उमर खान, लवली, मुकेश कुमार, जितेन्द्र कुमार, कृष्णा, मदन, राजेन्द्र, प्रेम बाई, बनवारी बाई एवं सामरिया है।

ट्रक से टकराई रोडवेज बस

टोंक, (निसं)। बरोनी थाना क्षेत्र पर स्थित जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे-52 पर सोमवार दोपहर को जयपुर से कोटा की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई तथा चार जने घायल हो गए। घटना के बाद में घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों व ग्रामीणों ने घायलों को सआदत अस्पताल टोंक में भर्ती कराया। बस में मौजूद एक सवारी ने बताया कि यह हादसा बारिश के चलते एकाएक ट्रक नजर नहीं आने से हुआ है, इस दौरान बस के आगे वाइपर भी नहीं था। इससे बस के आगे का शीशा रिमझिम बारिश से धुंधला हो गया और चालक को ट्रक नजर नहीं आया जिससे हादसा हो गया। मौके पर पहुंची बरोनी थाना पुलिस ने बताया कि जयपुर से कोटा जा रही रोडवेज बस बरोनी थाना क्षेत्र के एनएच-52 के डीटीओ ऑफिस के पास पर चल रहे ट्रक स्पष्ट रूप से नहीं दिखा और रोडवेज बस पीछे से टकरा गई। हादसे में चार सवारी घायल हुई है, जिन्हें सआदत अस्पताल पहुंचाया गया है।

धुधाड़ा-जोधपुर सड़क की गुणवत्ता में कई खामियां : पूर्व राज्यमंत्री पुखराज पाराशर

पुखराज पाराशर ने क्षतिग्रस्त सड़क की खामियां दूर कराने के लिये मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

- सड़क का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, मगर सड़क की गुणवत्ता को लेकर कई खामियां रही हैं

जालोर, (कासं)। जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने मंगलवार को जालोर जिले के नरसाणा भंवरानी होते हुए धुंधाडा-जोधपुर सड़क निमार्ण में सड़क की गुणवत्ता को लेकर कई खामियां होने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

पूर्व राज्यमंत्री पुखराज पाराशर ने बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा जालोर जिले के नरसाणा, भंवरानी होते हुए धुंधाडा तक सड़क के चौड़ाईकरण एवं सौंदर्यकरण के लिए 56 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की थी। जिसका शिलान्यास 30 जून 2023 को किया गया था। सड़क की स्वीकृति जालोर जिले को जोधपुर से जोड़ने के लिए वैकल्पिक मार्ग उपयोग के लिए की गई थी। जिसका निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, मगर सड़क की गुणवत्ता को लेकर कई खामियां रही हैं, जिसे पूर्ण करने से जनहित में इसका लाभ मिलेगा।

पत्र में बताया कि बाला ग्राम से भोरड़ा ग्राम तक 3-4 किमी. सड़क का काम अधूरा है तथा घाणा नदी, घाणा गेलावास के बीच जो पुल बना हुआ है उसे मरम्मत की आवश्यकता है। अगर इसकी जगह नया व ऊँचा पुल बनाया जाए तो बारिश के दिनों में रास्ता नहीं रुकेगा। अभी भी बारिश के दिनों में कई दिनों तक आवागमन बंद रहा है। बिजली व घाणा ग्राम के बीच बांडी नहर पर स्थित छोटे पुल का स्लोप बहुत ही ऊँचा है, जिससे गाड़ियों के आने-जाने में बहुत ही परेशानी हो रही है। अभी 3-4 माह पहले एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी।

पत्र में बताया कि जोधपुर जिले के धुंधाड़ा गांव से पहले जहां ये सड़क (नरसाणा धुंधाड़ा) समाप्त होती हैं, वहीं से सड़क क्षतिग्रस्त है। इसे दुरस्त कराया जाना चाहिए। धुंधाड़ा से कांकाणी की ओर जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े स्पीड ब्रेकर बनाये हुए हैं। उसे कम करने की आवश्यकता है जिससे वाहनों को नुकसान नहीं हो। जालोर से रोहट सड़क (बीओटी) की खराब स्थिति को देखते हुए जोधपुर के लिए बनाये गये वैकल्पिक सड़क की उक्तानुसार खामियों को दूर करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को देने का श्रम करावे, ताकि जनता को इसका लाभ मिल सके।

पूर्व राज्यमंत्री पुखराज पाराशर ने बताया कि सरकार ने अपनी गलती को सुधारने का ढोंग रच कर एक स्वीकृति पत्र जारी कर श्रेय लेने का तरीका ढूंढने का असफल प्रयास किया है। जनता सब जानती है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान विधानसभा में 27 करोड़ की लागत से जालोर जिले की सड़क निर्माण की घोषणा कर स्वीकृति जारी की थी। स्थानीय वन विभाग के प्रस्ताव अनुसार वन एव पर्यावरण विभाग ने स्वीकृति दी। तत्पश्चात वित्तीय स्वीकृति जारी होकर निविदा आमंत्रित कर कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 जून 2023 को शिलान्यास किया, तत्पश्चात् भैरूनाथ अखाडे के महंत गंगानाथ महाराज के हाथों कार्य शुरू किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर,वन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे, तब कोई तकनीकी खामी नजर नहीं आयी। सरकार बदल गई, भाजपा की सरकार बनते ही उनकी आंख में ये ऐतिहासिक विकास कार्य खटकने लगा, तो उसी वन विभाग के अधिकारी से इसमें रोड़ा अटकाने का नाटक करवाया गया और काम रुकवा दिया गया, जिसकी उपस्थिति एवं प्रस्ताव से ये सड़क स्वीकृत हुई, दो साल काम रुका रहा है। शायद सड़क निर्माण की लागत भी बढ़ गई होगी। जैसे ही भाजपा सरकार आने के बाद जालोर के मेडीकल कॉलेज को भी सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद भी रोक दिया गया। यहां तक कि शिलान्यास पट्टिकाओं को भी तोड़ दिया गया है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। थानाधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा कोतवाली थाना क्षेत्र के गाड़ियों के अड्डा इलाके में हुये जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके कब्जे से लोहे का सरिया व एक धारदार हथियार भी बरामद किया गया है। कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि 23 सितम्बर को परिवादी अब्दुल अजीज को आरोपियों ने फोन करके गाड़िये के अड्डे पर बुलाया और उस पर हथियार व सरिये लकड़ीयों से वार कर दिया। घटना में उसे और उसके भाई को गम्भीर चोटे आई।

एमडीएसयू में क्रिकेट विवाद पर बवाल

प्रदर्शनकारियों और सिविल लाइंस थाना पुलिस के झड़प भी हुई

- छात्रसंघ अध्यक्ष ने कुलगुरु पर तानाशाही रवैये का आरोप लगाया

अजमेर, (निसं)। महर्षि दयानंद सरस्वती वि.वि. (एमडीएसयू) में अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर विवाद गरमा गया। छात्रसंघ अध्यक्ष महिपाल गोदारा के नेतृत्व में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों और सिविल लाइंस थाना पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। पुलिस ने छात्रों को मुख्य द्वार पर ही रोक दिया गया।

विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता सोमवार से शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में दर्जनों कॉलेज भाग ले रहे हैं। गोदारा ने कुलगुरु प्रो. सुरेश अग्रवाल पर तानाशाही रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट प्रतियोगिता से ठीक पहले आर्यन कॉलेज को बाहर करना खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ है। उन्होंने बताया कि छात्रों का प्रतिनिधि मंडल शनिवार को कुलगुरु से मुलाकात के लिए गया था, लेकिन अग्रवाल बिना छात्रों से मिले पिछले दरवाजे से निकल गए। गोदारा ने कहा कि 2024 में भी एक छात्र के नौकरी करने के मामले में आर्यन कॉलेज को प्रतियोगिता से बाहर किया गया था। इस बार 2025 में कुलगुरु की अनुशंसा पर कॉलेज को दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फैसला वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कुलगुरु के खिलाफ नारेबाजी की और निर्णय को छात्र विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इस कदम से दर्जनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का भविष्य अधर में लटक गया है।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

सरदारशहर, (निसं)। भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी को 90 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। झुंझुनू एसीबी के डीएसपी शब्बीर खान ने बताया कि एसीबी मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर एसीबी चौकी झुंझुनूं इकाई ने इस ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया है। परिवादी अंजनी सोनी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि उन्होंने तहसील कार्यालय सरदारशहर में कृषि भूमि के कन्वर्जन के लिए आवेदन किया था। इस दौरान तहसीलदार और सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी ने कन्वर्जन करवाने के एवज में एक लाख रुपये रिश्वत की मांग की। जिस पर झूंझनूं एसीबी टीम द्वारा 25 अक्टूबर को सत्यापन करवाया गया। निर्मल सोनी ने परिवादी अंजनी सोनी को अपने घर पर बुलाकर बात की थी। निर्मल सोनी ने कन्वर्जन फीस के अलावा 90 हजार रुपये की डिमांड की थी। सत्यापन करवाने के बाद सोमवार को टीम ने तहसील कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी निर्मल सोनी को 90 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। निर्मल सोनी ने परिवादी से राशि लेकर अपनी पेंट की जेब में रखी थी जो टीम द्वारा निर्मल सोनी की जेब से बरामद की है। शब्बीर खान ने बताया कि तहसीलदार की भूमिका के बारे में जब निर्मल सोनी से पूछताछ की गई तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है। निर्मल सोनी का कहना है कि यह पैसे मेरे द्वारा उधार लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर अनुसंधान जारी है। अनुसंधान में पूरा मामला स्पष्ट हो पाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर पशु मेला परवान पर, पशुपालकों के साथ हजारों की तादात में अश्व और ऊँट पहुंचे

पुष्कर मेले में विभिन्न प्रकार की नस्लों के घोड़े पहुंचे।

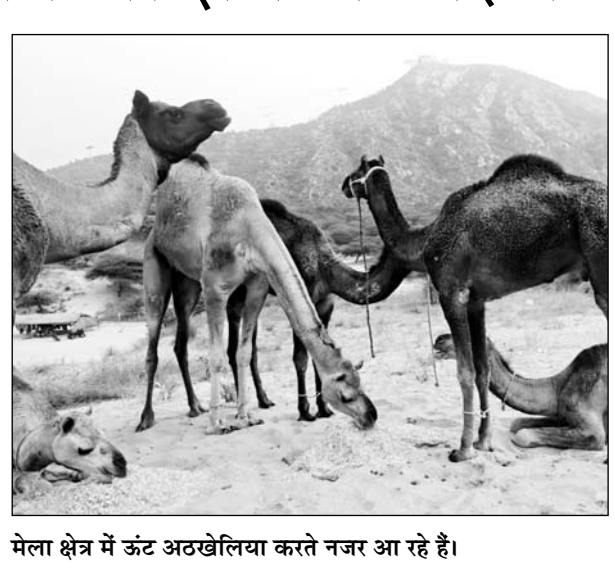

मेला क्षेत्र में ऊंट अठखेलिया करते नजर आ रहे हैं।

रेतीले धोरों में विदेशी पर्यटक भ्रमण करके आनंद ले रहे हैं।

- 68 इंच ऊँचाई वाला बादल और साढ़े 65 ऊँचाई वाला शहबाज घोड़ा मेले की रौनक बढ़ा रहा है
- अब तक हजारों के तादाद में विदेशी पर्यटक पुष्कर मेला देखने के लिए पहुंच चुके हैं

पुष्कर, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेला पूरे परवान पर है। मेला मैदान के रेतीले धोरों में ऊंटों और घोड़ों की आवाजें गूंज रही है। अब तक 3100 घोड़े-घोड़ियां और 1300 ऊँट धोरों में पहुंच चुके हैं। वहीं मोथा तूफान की बारिश ने जानवरों, मेलार्थियों और पशुपालकों को ठिटुरा दिया है, वहीं सर्दी बढ़ गयी है। पुष्कर मेला क्षेत्र में खुले आसमान के नीचे ऊंट अठखेलिया करते नजर आ रहे हैं। वहीं अब तक हजारों के तादाद में विदेशी पर्यटक पुष्कर मेला देखने के लिए पहुंच चुके हैं।

मेले में हरियाणा, पंजाब व गुजरात समेत कई राज्यों से अश्व पालक अपने-अपने घोड़ों के साथ स्टेट फार्मों के टेंटो में घोड़ों का प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते कुछ सालों से ऊंटों से खासा पहचान बनाने वाला पुष्कर पशु मेला अब घोड़ों के मेले में तब्दील हो गया है, जिसके चलते पुष्कर पशु मेले में करोड़ों के नामी अश्व घोड़े खरीद फरोख्त समेत प्रदर्शन के लिए डेरे जमा रखे हैं। इसी बीच मेले में 68 इंच ऊँचाई वाला 5 साल का बादल और साढ़े 65 ऊँचाई वाला काले रंग का शहबाज घोड़ा जिसकी कीमत 15 करोड़ से ज्यादा है, वहीं मारवाड़ी नस्ल का हर्ष नाम का घोड़ा मेले की रौनक बढ़ा रहा है। घोड़ों और 800 किलो का बुलबुल भैसे को देखने के लिए बारिश में लोग पुष्कर मेले में पहुंचकर बादल, शाहबाज, हर्ष घोड़े समेत बुलबुल भैसे को निहार रहे हैं। केकड़ी के अश्व पालक राहुल जैतवाल अपने सफेद रंग के घोड़े-घोड़ियों के साथ मेले में पहुंचे हैं, जिसमे सबसे खास है पांच साल का बादल नाम का घोड़ा जो कि लगातार तीसरी बार पुष्कर मेले में आया है। राहुल ने बताया कि बादल बादल बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम कर चुका है। पुष्कर मेले के बाद बादल तीन महीने के लिए बैंगलूरु में शूटिंग के लिए जाएगा। वहीं लोगों का का कहना है कि अश्व पालक अपनी रेटिंग बढ़ाने के लिए खुद ही यूट्यूबर और पदेजीं पर रील बनाने वालों से घोड़ों की क़ीमत करोड़ों में बता रहे हैं। अब एक ट्रेड बन गया है।

पुष्कर पशु मेले में आए शाहबाज नाम के घोड़े के मालिक पंजाब में वीर स्टेट फॉर्म चलने वाले गेरी सिंह ने बताया साढ़े पांच साल का शाहबाज काले रंग नुगरा नस्ल का घोड़ा है। यह कंपलीट पैकेज है। सुंदरता और इसका भविष्य बहुत ही अच्छा है। यह खास तौर पर वीर स्टेट फॉर्म की शान बढ़ा रहा है। इसकी कीमत 9 करोड़ रुपए से ज्यादा लग चुकी है लेकिन 15 करोड़ रुपए से ज्यादा इसको बेचने की बात कही है।

मारवाड़ी नस्ल का हर्ष नाम का घोड़ा भी मेले की शान बढ़ा रहा है। हर्ष के मालिक यशोराज सिंह ने बताया कि हर्ष मारवाड़ी घोड़ा है इसकी ब्रीडिंग बहुत ही अच्छी और आकर्षित है। इसका भविष्य बहुत ही सुंदर है। इसी सुंदरता के चलते इसे खूब निहारने के लिए लोग पुष्कर मेले में पहुंच रहे हैं।

विदेशी में मेला देखने पहुंच रहे हैं धोरो में : -पुष्कर मेले में रेतीले धोरों में विदेशी पर्यटक भ्रमण करके खूब आनंद ले रहे हैं। यही नहीं विदेशी पर्यटक राजस्थानी वेशभूषा पहनकर अश्व पालक और ऊंट पालकों से बातचीत कर रहे हैं। फ्रांस से पुष्कर घूमने आए केवीन ने बताया कि उन्हें भारत और राजस्थान बहुत सुंदर लगता है और यहां की वेशभूषा की तो बात ही अलग है।

विवाह सम्मेलन में 154 जोड़े बने हमसफर

सरवाड़, (निसं)। शहर में देशवालियान समाज के तत्वावधान में रविवार को 12 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 154 जोड़े हमसफर बने। कार्यक्रम शहर के किले के चौक स्थित मोहम्मादिया पब्लिक विद्यालय व दारुल उलूम के मैदान में जोड़ों की आमद शुरू की गई। वहीं सुबह सामूहिक निकाह की रस्म अदा की गई।

जौहर की नमाज के बाद सभी जोड़ों को विदाई दी गई। इस दौरान बाहर से आने वाले जोड़ों के लिए आवास व पेयजल आपूर्ति एवम् सुरक्षा भोजन आदि सभी प्रकार की व्यवस्थाएं माकूल इंतजाम किए गए। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम ने शिरकत की। गौतम का माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर गौतम ने संबोधित भी किया और जोड़ों को आशीर्वाद दिया।